अगले महीने शुरू होगा मेट्रो-3 पर ट्रायल रन

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर अगले महीने से ट्रायल रन शुरू हो सकता है। इसके लिए मेट्रो की पहली रेक अगस्त तक मुंबई पहुंचेगी। मेट्रो-3 कॉरिडोर की पहली रेक आंध्र प्रदेश के श्रीसिटी में बनकर तैयार है। कारशेड का मामला हल नहीं होने की वजह से रेक को लाया नहीं गया था। राज्य में सत्ता परिवर्तन होने के साथ ही शिंदे सरकार ने आरे में ही कारशेड तैयार करने निर्णय लिया है।

कारशेड का मुद्दा हल होने के साथ ही मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने ट्रायल रन शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। एमएमआरसीएल की नई एमडी अश्विनी भिडे ने शनिवार को साइट पर पहुंच कॉरिडोर के निर्माण कार्य का जायजा लिया। कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच 33.3 किमी लंबे मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। पूरे मार्ग पर 98.9 फीसदी तक टनल तैयार हो चुका है। दो से तीन महीने में 100 फीसदी भूमिगत मार्ग तैयार कर लिया जाएगा। पूरे कॉरिडोर का सिविल वर्क भी करीब 84 फीसदी तक हो चुका है।

अगस्त में श्रीसिटी से मुंबई पहुंचेगी पहली रेक

मरोल मरोशी में ट्रायल : सरकार कॉरिडोर के पूरे मार्ग के बजाय शुरुआती चरण में मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच ट्रायल रन करेगी। मरोल मरोशी से मेट्रो के ट्रायल रन की शुरुआत होगी। ट्रायल रन के दौरान रूट पर 10 हजार किमी तक मेट्रो को दौड़ाया जाएगा। पूरी सुरक्षा मानको की जांच के बाद ही यात्रियों के लिए कॉरिडोर को खोला जाएगा। मेट्रो-3 कॉरिडोर के बन जाने से दक्षिण मुंबई से उपनगर तक पहुंचना बेहद ही आसान हो जाएगा।

कितना हुआ काम

टनलिंग	98.9%
सुरंग	41/42
स्टेशन वर्क	82.06%
सिविल वर्क	84.82%
ओवरऑल सिस्टम	36.22%
ट्रैक बिछा	25.50%
ओवरऑल प्रॉजेक्ट	73.07%

ऐसी होगी रेक

बगैर चालक की ट्रेन

एलसीडी स्क्रीन

डिजिटल मैप इंडीकेटर

अग्नि शमन यंत्र

स्मोक डिटेक्टर

वीलचेयर

25% रूट पर बिछी पटरी

एमएमआरसीएल टनल तैयार करने के साथ ही मार्ग पर पटरी बिछा रहा । अब तक 25.50 फीसदी तक ट्रैक बिछाया जा चुका है।

8 डिब्बों की रेक

कॉरिडोर के लिए आंध्र प्रदेश की श्रीसिटी में मेक इन इंडिया के तहत 8 डिब्बों की रेक तैयार की है। एमएमआरसीएल अत्याधुनिक सुविधा के लैस 31 ट्रेन का निर्माण करवा रही है। यह ट्रेन ड्राइवरलैस ट्रेन होगी। इसके अलावा, कोच फुल एसी होंगे, साथ ही कोच के अंदर एलसीडी स्क्रीन, डिजिटल मैप इंडीकेटर, अग्नि शमन यंत्र, स्मोक डिटेक्टर, इमरजेंसी के लिए वायस कम्युनिकेटर और पीएम सिस्टम भी होगा। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डेडीकेटेड वीलचेयर एरिया की भी व्यवस्था ट्रेन में की गई है।